|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| 25. März | | |
| **Verkündigung des Herrn Hochfest** | | |
| Erste Lesung: Jes 7,10-14; Zweite Lesung: Hebr 10,4-10; Evangelium: Lk 1,26-38 | | |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 818, 1+2-6 | Ave Maria klare |
|  | GL 537 | Ave Maria, gratia plena |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 3 | Herr Jesus, du Sohn |
|  | GL 160 | Gott des Vaters ewger Sohn |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 173, 1+2 | Gloria, gloria in excelsis Deo |
|  | GL 170, 1-3 | Allein Gott in der Höh |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 40, 7-11 |  |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 255 | Das Wort wurde Fleisch |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 227, 1-3 | Komm, du Heiland aller Welt |
|  |  |  |
| Ruf v. d. Evangelium: | GL 176, 5; GL 584, 9; GL 560, 1; GL 644, 6 | |
|  | Vers: | |
|  | *Das Wort ist Fleisch geworden und hat unter uns gewohnt,* | |
|  | *und wir haben seine Herrlichkeit geschaut* | |
|  |  |  |
| Credo: | Sprechen |  |
|  | GL 180, 1+2 | Credo in unum Deum |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 236, 1+3 | Es kommt ein Schiff |
|  | GL 523 | O Maria, sei gegrüßt |
|  | GL 717, 1+2 | Schau erbarmend auf uns nieder |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 718 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 221, 5 | Gott wird wenden Not und Leid |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 215, 1+2 | Gott sei gelobet |
|  | GL 251, 3+4+6 | Jauchzet, ihr Himmel |
|  | GL 252, 4+6 | Das ewig Licht geht da herein |
|  | GL 364, 1 | Schönster Herr Jesu |
|  |  |  |
| Schlusslied: | GL 527 | Ave Maria zart |
|  | GL 528, 1-3 | Ein Bote kommt |
|  | GL 530, 1-4 | Maria, Mutter unsres Herrn |
|  | GL 829, 1+2 | Wunderschön prächtige |